

237

236 1000Rs.



5.



Attest
 Clement Tully
 Date: 06-03-09



श्रवण कुमार महतो
 6.3.09

46 (1) Pr...

23 I A

6-3-09

6/3/9

लेख्यकारी:- श्री श्रवण कुमार महतो पिता स्व० जयमाल महतो, जाति- कुम्हार, धर्म- हिन्दु, पेशा- खेती, निवास गाँव- गोतरा सुन्दरपुर, थाना- सिमडेगा, जिला-सिमडेगा ।

समर्थपत्र संख्या:- 159/2009

प.ज. राजेश कुमार महतो
 पिता- स्व. जयपाल महतो
 ग्राम- गोतरा नया टोली
 थाना-वर्जिला- सिमडेगा

06-03-09



--2--

॥ 2॥ लिख्यधारिणी:- श्रीमति सेलिना बा: पति श्री पास्कल डुंगडुंगे
जाति- छाड़िया, धर्म- इसाई, पेशा- नौकरी, निवास गाँव-गोतरा
सुन्दरपुर, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका ।

समथ-पत्र संख्या:- 160/2009

॥ 3॥ लिख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलाम्पी पुत्र पुत्रादिक
सदा सर्वदा के लिए होता है ।

॥ 4॥ मूल्य:- मोबलिंग एक लाख पचास हजार रुपये अके 1,50,000/-
रुपये होता है ।

॥ 5॥ सम्मति का विवरण:- अन्दर मौजा- गोतरा आनन्द नगर,
थाना- सिमडेगा, थाना नं० 80, सब रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला-
सिमडेगा के अन्तर्गत खाता नं० 215 दो सौ पन्द्रह प्लॉट नं०
2755 सताईस सौ पचपन रकबा 1.13 एकड़ में से रकबा 0.15

एकड़ पन्द्रह डिसिमिल आवासीय जमीन, जिसपर मकान या निर्माण नहीं है, जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- प्लॉट नं० 2758 ब्रजलाल महतो का टांड,

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश नीज बिक्रेता टांड,

पूरब :- इसी प्लॉट का अंश नीज बिक्रेता टांड,

पश्चिम:- प्लॉट नं० 2761 में सोरेण जी का मकान घेरा ।

श्रीमती कुमार सहती
6.3.09

श्री० पास्कल डुंगडुंगे
पिता- राफाएल डुंगडुंगे
पति- सुदर
पति श्री डेवा-सिडेगा
निवा- 6-3-09



--3--

मालगुजारी 05 पैसे पाँच पैसे अलावे सेस सलाना ।

११॥ चूँकि मुझ लेख्यकारी को मकान बनाने के वास्ते रुपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रुपये देना स्वीकार किया ।

१२॥ इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वी मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वी अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वी उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दे रहेगा ।

१३॥ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि बेची जा रही जमीन मेरी खतियानी है पिछले नाप में लंगटु कुम्हार पिता पुना कुम्हार वी गोपाल कुम्हार वी भुमाल कुम्हार वी दोगपाल कुम्हार वी कुपाल कुम्हार पेशरान भुटकु कुम्हार के नाम से नाप हुआ था । खतियानी रैयतों के बीच जमीन का बँटवारा सर्वे के समय ही हो चुका था । खतियानी रैयतों

श्रीका कुमार मस्तो
6.3.09



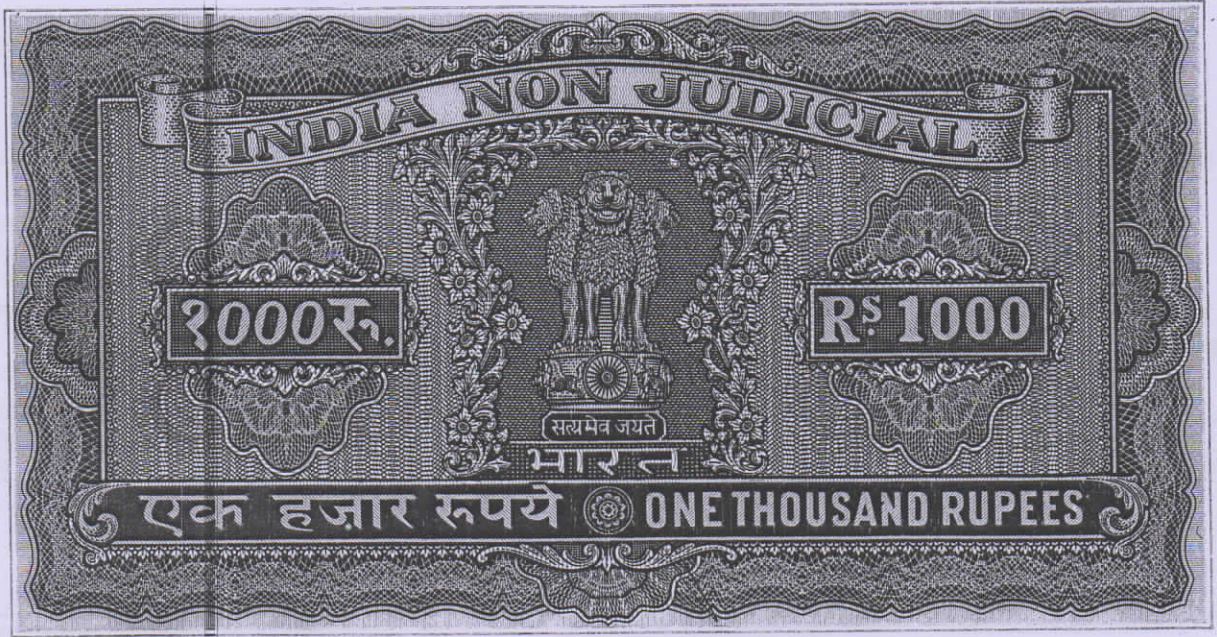
--4--

को मृत्यु हो चुकी है। खतियानी रैयत लंगट्ट कुम्हार मेरे परदादा थे। खतियानी रैयत लंगट्ट कुम्हार के चार पुत्र थे प्रह्लाद कुम्हार, अह्लाद कुम्हार, प्रभु कुम्हार तथा रामेश्वर कुम्हार। इन चारों का मृत्यु हो चुकी है इन चारों के बीच जमीन का बँटवारा हो चुका है। प्रह्लाद कुम्हार मेरे दादा थे। मेरे दादा प्रह्लाद कुम्हार का एकमात्र पुत्र जयपाल कुम्हार थे जो मेरे पिताजी थे। उनका भी मृत्यु हो चुका है। मेरे पिताजी के तीन पुत्र हैं। श्रवण कुम्हार, अखिलेश कुम्हार तथा राजेश कुम्हार। श्रवण कुम्हार में बिक्रेता हूँ। मेरे पिताजी के मृत्यु के बाद उत्तराधिकारी से जमीन प्राप्त हुआ। मेरे तीनों भाईयों के बीच जमीन का बँटवारा मौखिक हो चुका है। खेती जा रही जमीन मेरे तहस्से वो दखल की जमीन है जिसपर मैं शांतिपूर्ण दखलकार हूँ। सरकारों मालगुजारी को रसीद मेरे पिताजी जयपाल कुम्हार वी० के नाम से कट रहा है जिसका मालगुजारी अदा कर रहे हैं।

॥५॥ अब याहस तक लेखधारियों अपनी जमीन पर काविज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिअ अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें।

॥५॥ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे।

श्रवण कुम्हार महारा
6.3.09



--6--

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का
 प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना
 वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- *Chand Parky*
Advocate, Simdega
 प्रारूपकर्ता
 तारीख:- 06.03.09

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के
 कुल छः पृष्ठों में कुल 556 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित
 वो नक्सा सहित है ।

टंकक
 श्री 0 महबूब
 6.3.2009
 मो 0 महबूब
 कचहरी परिसर,
 सिमडेगा ।

श्रवण कुमार मटते
 6.3.09

श्रवण कुमार मटते
 6.3.09